University in News on 02 January 2025

i-NEXT
PAGE 5

चार विषयों का एग्जाम प्रोग्राम जारी किया गया

LUCKNOW (1 JAN): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पीजी के चार कोर्सों के विषम सेमेस्टर एग्जाम का कार्यक्रम जारी करते हुए दो अन्य विषयों में संशोधन भी किया है. एमएड, एमए एजुकेशन और एमए वेस्टर्न हिस्ट्री विषम सेमेस्टर एग्जाम 16 जनवरी से आयोजित की जाएंगी. इसका परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड कर दिया गया है.

इसका रखें ध्यान

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी समय सारिणी के अनुसार एमएड न्यू कोर्स और एमए एजुकेशन फर्स्ट सेमेस्टर (न्यू कोर्स) के एग्जाम 16 से 25 जनवरी और थर्ड सेमेस्टर के एग्जाम 17 से 27 जनवरी तक होंगी. इनका समय सुबह 8:30 से 11:30 बजे तक तय किया गया है. एमए वेस्टर्न हिस्ट्री फर्स्ट सेमेस्टर के एग्जाम 16 से 27 जनवरी और थर्ड सेमेस्टर के एग्जाम 13 से 24 जनवरी तक होंगे. एमए आधुनिक भारतीय इतिहास विषय की समय सारिणी भी अपलोड की गई है.पीजी डिप्लोमा योग थर्ड सेमेस्टर के एग्जाम 16 से 27 जनवरी तक होंगी.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

नए संकल्पों और नीतियों पर चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए साल के पहले दिन सभी संकायों और विभागों के शिक्षकों ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को शुभकामनाएं दीं। शिक्षकों ने प्रशासनिक भवन स्थित कार्यालय में कुलपति से मुलाकात कर नए संकल्पों और नीतियों पर चर्चा की। इस दौरान कुलपति ने वर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि नया साल विश्वविद्यालय और छात्रों की प्रगति में एक अहम अध्याय साबित होगा। (संवाद)

बीएससी पांचवें सेमेस्टर का वाइवा 28 को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीएससी पांचवें सेमेस्टर में फिजिक्स का वाइवा 28 जनवरी को सुबह 11 बजे से विभाग में होगा।विभागाध्यक्ष प्रो. ओंकार प्रसाद ने यह जानकारी दी। यह वाइवा 75 अंकों का होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

पीएचडी कोर्स वर्क की प्रस्तुति 11 को

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग ने सत्र 2023-24 के पीएचडी कोर्स वर्क की प्रस्तुति के लिए तिथि तय कर दी है. पीएचडी छात्र-छात्राओं को निर्धारित तिथि पर सुबह 11 बजे विभाग के बीपी प्रधान सभागार में अपने कोर्स वर्क के साथ उपस्थित होना है. वहीं, बीएससी भौतिक विज्ञान पांचवें सेमेस्टर की वायवा परीक्षा 28 जनवरी को सुबह 10 बजे से होगी. विभागाध्यक्ष प्रो. ओंकार प्रसाद ने इसकी सूचना जारी की है.

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : तीन कंपनियों ने दिए प्लेसमेंट के मौके

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ने तीन कंपनियों में अपने छात्र-छात्राओं के लिए नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इनमें स्पेस एंड फिट आउट टेक्नोलाजीज, एनालिटिका इक्विपमेंट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड और यशीश मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। छात्र-छात्राओं को गूगल लिंक के माध्यम से इसमें पंजीकरण कराना होगा। कंपनी जल्द ही आगे की चयन प्रक्रिया शुरू करेंगी।

केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि स्पेस एंड फिट आउट टेक्नोलाजीज कंपनी इंटीरियर डिजाइनर ट्रेनी के रूप में वर्क फ्राम होम की सुविधा देगी। इसमें डिजाइन रणनीति विकास, प्रोजेक्ट प्रबंधन और ट्रेंड विश्लेषण जैसी जिम्मेदारियां दी जाएंगी। गूगल लिंक https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScarl_qMAC04JL-HF-GMD2yGEWd03UEjR_kBy3kHAa3CfJPDQ/viewform के माध्यम से पंजीकरण होगा।

एनालिटिका इक्विपमेंट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड : इसमें सेल्स व सर्विस एग्जीक्यूटिव के पद पर प्लेसमेंट होगा। इसमें स्नातक विज्ञान और इंजीनियरिंग डिग्री वाले आवेदन कर सकते हैं। इस पद के लिए प्रशिक्षण लखनऊ, दिल्ली या जर्मनी में दिया जाएगा। इसका पंजीकरण लिंक https://docs.google.com/forms/u/0/d/1YUCo97kUm-vRprJSCfFON1tuTiQT0xfH8fRjxl81SH0/viewform?pli=1&pli=1&pli=1&edit_requested=true के माध्यम से होगा। इनमें सालाना न्यूनतम पैकेज तीन लाख होगा।

यशीश मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड : अकाउंट एग्जीक्यूटिव पद पर चयन होगा। छात्रों को क्लाइंट रिलेशनशिप और अकाउंट्स प्रबंधन की जिम्मेदारी दी जाएगी। इस पद के लिए 15 से 17 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलेगा। आवेदन की अंतिम तिथि तीन जनवरी रखी गई है। पंजीकरण गूगल लिंक https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdZeW4AncTRd6gjoDEceRIOsh8v0aChToyUIMgCxl65XNEW4w/viewform?usp=header से करा सकते हैं।

तीन जनवरी से बीफार्मा में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग

एकेटीयू से संबद्ध संस्थानों में बीफार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया की तिथियां घोषित कर दी गई हैं। यह प्रक्रिया चार चरणों में तीन से 24 जनवरी तक चलेगी। काउंसिलिंग के पहले चरण में अभ्यर्थी तीन से पांच जनवरी तक आनलाइन च्वाइस फिलिंग और लाकिंग कर सकते हैं। सीट आवंटन सात जनवरी को होगा। अभ्यर्थी सात और आठ जनवरी के बीच अपनी च्वाइस को फ्रीज या फ्लोट कर सकते हैं। दूसरे चरण की प्रक्रिया में अभ्यर्थी नौ से 11 जनवरी के बीच अपनी च्वाइस को बदल सकते हैं और लाक कर सकते हैं। सीट आवंटन 13 जनवरी को होगा। यदि कोई अभ्यर्थी रिफंड लेना चाहता है, तो वह 13 और 14 जनवरी के बीच यह प्रक्रिया पूरी कर सकता है। तीसरा चरण 15 से 19 जनवरी के बीच आयोजित होगा। इस चरण में सीट आवंटन 17 जनवरी को किया जाएगा। चौथे चरण में 20 जनवरी को सीट आवंटित की जाएगी। इसके बाद, अभ्यर्थियों को अपने आवंटित संस्थान में 22 से 24 जनवरी के बीच फिजिकल रिपोर्टिंग करनी होगी।

TOI PAGES 1 and 2

LU to have advanced AI labs for engg students

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Lucknow University is set to establish two advanced artificial intelligence (AI) laboratories for its engineering students. The initial establishment process was completed through tenders, and the facilities are expected to be operational in the forthcoming months.

"This will be the first-ever AI lab in our university. It will be a specialised research and development space where our students will work together to create intelligent systems. Our computer science engineering students who want to gain knowledge in fields such as data science, machine learning and cognitive computing will benefit from it," said LU vice chancellor Prof Alok Kumar Rai.

The VC said these AI facilities will assist in discovering novel research paths in AI, machine learning, deep learning and big data analytics.

▶Research papers, P2

Examiners can file complaints via app

▶Continued from P 1

This can be divided into two batches of 40 students each. For instance, if a school has 400 students, the examiner will need to stay in the district for at least five days.

According to UP board secretary Bhagwati Singh, the Board received complaints about malpractices in practical examinations. The customised app is designed to address these concerns. "As an examiner uploads a selfie, the picture will have geo-positioning details of his location, along with time and date. This will ensure that the examiner is physically present at the centre," he explained. The app will also allow examiners to lodge complaints in case of undue pressure from private school management. The entire examination process will be monitored through CCTV cameras to ensure transparency.

As an examiner uploads a selfie, picture will have geo-positioning details of his location, along with time & date

Class 12 practical exams will be held in two phases between Jan 23 and Feb 8, 2025. With these measures in place, the UP Board aims to ensure a fair and transparent examination process.

AMRIT VICHAR PAGE 4

विस्तार पहले कला और वाणिज्य स्नातक व परास्नातक के पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे

इग्नू की तर्ज पर लखनऊ विश्वविद्यालय शुरू करेगा दूरस्थ शिक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ऑन लाइन कोर्स के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय इग्नू की तरह दूरस्थ शिक्षा भी शुरू करने जा रहा है। इसमें छात्र-छात्राएं स्नातक और परास्नातक कर सकेंगे। पहले कला, वाणिज्य और कुछ प्रोफेशनल पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। दूरस्थ शिक्षा से उन विद्यार्थियों को इससे फायदा होगा जो किसी कारणवश नियमित कक्षाएं नहीं कर पाते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षा और शोध के क्षेत्र में नए मानक गढ़ता जा रहा है। नई शिक्षा नीति को लेकर वर्ष 2024 में आरंभ ऑनलाइन पाठ्यक्रमों शुरू किया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया है। ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) में स्थान दिया गया है।

दूरस्थ शिक्षा का संचालन भी यहीं से किया जाएगा। छात्रों के प्रवेश से लेकर पाठ्यसामग्री और परीक्षा संबंधित समस्त कार्य इसी भवन से किए जाने की योजना है। कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय कहा कि ऑनलाइन पाठ्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

विश्वविद्यालय अब दूरस्थ शिक्षा भी आरंभ करने जा रहा है। इसके लिए पाठ्यसामग्री तैयार कर ली गई है।

लविवि की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद द्वारा ''ए'' ग्रेड प्रदान किया गया है। डेटा साइंस, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रमों की शुरुआत की गई है। इसके अलावा विश्वविद्यालय की खास उपलब्धियों में विदेशी छात्र-छात्राओं का बड़ी संख्या में लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश है। तजाकिस्तान की शिक्षा में बेहतरी के लिए विश्वविद्यालय दल इसी माह रवाना होने वाला है।

कल से शुरू होगी एकेटीयू में बीफार्मा की काउंसलिंग

अमृत विचार, लखनऊ: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों के बीफार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। 4 चरणों में होने वाली काउंसलिंग 3 जनवरी से 24 जनवरी 2025 तक चलेगी। पहले चरण की काउंसलिंग 3 जनवरी से शुरू होगी। ऑनलाइन च्वॉइस फिलिंग और लॉकिंग 3 से 5 जनवरी तक चलेगी। जबकि सीट आवंटन 7 जनवरी को किया जाएगा। वहीं ऑनलाइन विलिंगनेस फ्रीज और फ्लोट 7 से 8 जनवरी के बीच होगा। दूसरे चरण की काउंसलिंग 9 से 14 जनवरी तक होगी। 9 से 11 जनवरी तक ऑनलाइन च्वॉइस फिलिंग अल्टरेशन और लॉकिंग होगी। सीट आवंटन 13 जनवरी को किया जाएगा। ऑनलाइन रिपंड 13 से 14 जनवरी तक होगा। तीसरे चरण की काउंसलिंग 15 से 19 जनवरी तक चलेगी। जिसमें सीट आवंटन 17 जनवरी को किया जाएगा। चौथे और अंतिम चरण की काउंसलिंग 20 जनवरी को सीट अलॉटमेंट से होगी। अथ्यर्थियों को आवंटित संस्थान में 22 से 24 जनवरी तक फिजिकल रिपोर्टिंग करनी होगी। कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय और काउंसलिंग समन्वयक प्रो. ओपी सिंह के नेतृत्व में काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

THE HINDU PAGE 7

The challenge of AI for higher education institutes

Alok Kumar Rai

The higher education landscape in India is under constant flux. The challenges on the home front are multiplied by stiff competition presented by competition from overseas institutions of higher learning. Meanwhile, higher education institutions have a love-hate relationship with AI. The apprehensions of AI replacing human jobs and taking control over human resources present it as a monstrosity; but overt and covert use of AI is a reality that cannot be denied.

The requirements, expectations and aspirations of the stakeholders, i.e., students and society, are changing at lightning speed. As the world becomes technology driven, the ease of access to information has facilitated informed stakeholders who are goal oriented in their choices of institutions, career and courses. Therefore, HEIs wishing to flourish in the future need to bring about visible change in their academics and administration to remain relevant.

The advancement from Education 4.0 to Education 5.0 will have to include AI at every step, be it student learning, academic integrity, research or institutional administration. The role of AI in student learning can be gauged from the viral popularity of "cobots" and "teacherbots", assisted learning, personalised learning, machine-based learning, etc., which cater to individualistic needs of the learner. These AI tools have potential to assist the student in honing their skills sans spatio-temporal limitations.

AI. Concerns over ethical use

GET FUTURE-READY

It thus becomes imperative for HEIs to become future ready with optimal employment of AI and its many manifestations. The limitation of AI to generate original ideas is where humans score over it. Its core strength lies in its accuracy and agility in data processing. This strength can be harnessed by faculty and researchers to process complex and copious data to aid in building and processing of hypotheses.

Such institutional readiness requires work on ensuring speed, accuracy and transparency in the governance of HEI. AI tools can build a seamless administrative system across counselling, admission, curriculum development, examination, result declaration and subsequent relationship of student with the institution.

The input provided to students has to be in sync with output, i.e., the skill expectancy of the job market. AI is "the necessary evil" which needs to be incorporated in the curricula.

HEI's also need to factor in infrastructural revamping and adequate equipment availability in their budgeting and syllabi to give students a first-hand experience of what they are to face when they step in to the 'real world'. The establishment of AI labs, simulation labs, etc., are imperative for contemporary quality education dissemination.

Concerns over ethical use of AI has been a point of debate. The strengthening of mental faculty of students should not fall prey to tools like Chat GPT and the like. Students should be trained to be morally responsible and not compromise their competence by engaging in academic dishonesty.

HEIs which aim to continue to survive and become game-changers need to become AI-friendly and master it to their advantage before AI masters them. HEIs, especially universities, can take a leaf or two out of their history books and turn these challenges into their strengths.

An AI image on internet which succinctly sums up the role of AI in fostering and nurturing education, reads thus, "Teaching with AI is about harnessing the future to inspire the present".

The writer is Vice Chancellor, University of Lucknow. Views are personal